Downloaded from www.studiestoday.com

International Indian School, Riyadh.
Work Sheet 2012-13
Class - VII Sub: Hindi SA-II

वसंत भाग - II

कहानी से - मिठाई वाला

प्र०-1 मिठाई वाला अलग-अलग चीज़ें क्यों बेचता था और वह महीनों बाद क्यों आता था?
प्र०-2 मिठाईवाले में वे कौन से गुण थे जिनकी वजह से बच्चे तो बच्चे, बड़े भी उसकी ओर खिंचे चले आते थे?
प्र०-5 खिलौने वाले के आने पर बच्चों की क्या प्रतिक्रिया होती थी?
प्र०-7 'अब इस बार वे पैसे न लूँगा' - कहानी के अंत में मिठाई वाले ने ऐसा क्यों कहा?

— X —

दोहे से — रहीम के दोहे

नीचे लिखे दोहों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(2) जाल परे जल जात बहि, तजि मीनन को मोह।
रहिमन मछरी नीर को, तऊ न छाँड़ति छोह॥

(3) तरुवर फल नहिं खात हैं, सरवर पियत न पान।
कहि रहीम परकाज हित, संपति-सचहिं सुजान॥

— X —

कहानी से - चिड़िया की बच्ची

प्र०-1 किन बातों से ज्ञात होता है कि साधवदास का जीवन संपन्नता से भरा था और किन बातों से ज्ञात होता है कि वह सुखी नहीं था?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

प्र०-2 माध्यवदास क्यों बार-बार चिड़िया से कहता है कि यह बगीचा तुम्हारा ही है? क्या माध्यवदास निःस्वार्थ मन से ऐसा कह रहा था? स्पष्ट कीजिए?

प्र०-6 इस कहानी का कोई और शीर्षक देना हो तो आप क्या देना चाहेंगे और क्यों?

—X—

कविता से- एक तिनका

प्र०-2 'एक तिनका' कविता में किस घटना की चर्चा की गई है, जिससे घमंड नहीं करने का संदेश मिलता है?

प्र०-3 आँख में तिनका पड़ने के बाद घमंडी की क्या दशा हुई?

प्र०-4 घमंडी की आँख से तिनका निकालने के लिए उसके आस पास लोगों ने क्या किया?

— X —

निबंध से – खानपान की बदलती तसवीर

प्र०-1 खानपान की मिश्रित संस्कृति से लेखक का क्या मतलब है? अपने घर के उदाहरण देकर इसकी व्याख्या करें?

प्र०-2 खानपान में बदलाव के कौन से फ़ायदे हैं? फिर लेखक इस बदलाव को लेकर चिंतित क्यों है?

प्र०-3 खानपान के मामले में स्थानीयता का अर्थ है?

— X —

निबंध से- नीलकंठ

प्र०-1 मोर-मोरनी के नाम किस आधार पर रखे गए?

प्र०-2 जाली के बड़े घर में पहुँचने पर मोर के बच्चों का किस प्रकार स्वागत हुआ?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

प्र०-3 लैचिका को नीलकंठ की कौन-कौन सी चेष्टाएँ बहुत भाती थीं?

प्र०-6 जालीघर में रहनेवाले सभी जीव एक-दूसरे के मित्र बन गए थे, पर कुब्जा के साथ ऐसा संभव क्यों नहीं हो पाया?

— X —

साक्षात्कार से - घनराज

प्र०-1 साक्षात्कार पढ़कर आपके मन में घनराज पिल्लै की कैसी छवि उभरती है? वर्णन कीजिए।

प्र०-2 घनराज पिल्लै ने ज़मीन से उठकर आसमान का सितारा बनने तक की यात्रा तय की है। लगभग सौ शब्दों में इस सफ़र का वर्णन कीजिए।

प्र०-3 'मेरी माँ ने मुझे अपनी प्रसिद्धि को विनम्रता से सँभालने की सीख दी है' - घनराज पिल्लै की इस बात का क्या अर्थ है?

— X —

निबंध से - वीर कुँवर सिंह

प्र०-1 वीर कुँवर सिंह के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया?

प्र०-2 कुँवर सिंह को बचपन में किन कामों में मज़ा आता था? क्या उन्हें उन कामों से स्वतंत्रता सेनानी बनने में कुछ मदद मिली?

प्र०-4 पाठ के किन प्रसंगों से आपको पता चलता है कि कुँवर सिंह साहसी, उदार एवं स्वाभिमानी व्यक्ति थे?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

पुराने जमाने से ही भारतीय समाज में नारी किसी न किसी पर आश्रित रहती आई है। इसलिए नारी को पराश्रिता कहा जाता है। बचपन में नारी माता-पिता के आश्रय में रहती है, विवाह के बाद पति के संरक्षण में तथा बुढ़ापे में बच्चों की आश्रित बनती है। प्राचीन काल से उसकी स्थिति हर रूप में पराधीन रही है। उसकी दीनदशा का कारण घर की सम्पत्ति पर उसका अधिकार न होना था। धन पुरुष कमाता था, अतः धन पर पुरुष का अधिकार ज्यादा होता था। आधुनिक काल में नारी की स्थिति में परिवर्तन हुआ। नारी घर से बाहर निकली, शिक्षा और बाहरी वातावरण के प्रभाव से उसमें आत्मविश्वास बढ़ा, तभी वह आज सभी क्षेत्रों में पुरुष से टक्कर ले रही है और सभी क्षेत्रों में सफलता के झंडे गाड़ रही है। जहाँ वह निर्णय लेने में सक्षम हो गई है, वहीं परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी भी सँभालने लगी है। इन सबके बावजूद भारतीय नारी घर और परिवार का भी विशेष ध्यान रखकर दोहरी भूमिका में खरी उतर रही है।

प्र०-1 पुराने समय में भारतीय नारी को पराश्रिता क्यों कहा जाता था?

प्र-2 प्राचीन काल में भारतीय नारी की दीन-हीन दशा का मुख्य कारण क्या था?

प्र-3 आधुनिक नारी पुरुष के बराबर कैसे बनी?

प्र-4 आज की भारतीय नारी किस प्रकार की दोहरी भूमिका निभा रही है?

प्र-5 नारी के नौकरी करने का क्या परिणाम हुआ?

प्र-6 गद्यांश का उचित शीर्षक क्या होगा?

— × —

Downloaded from www.studiestoday.com